संस्कृत

एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, एम.ए. (संस्कृत)

पाठ्यक्रम रूपरेखा

एम.ए. पाठ्यक्रम दो वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम है जिसको दो भागों में बाँटा गया है। दोनों ही भागों में दो सेमेस्टर होंगे। प्रथम भाग सेमेस्टर I (24 क्रेडिट) के नाम से जाना जायेगा। सेमेस्टर II (24 क्रेडिट) और दूसरा भाग सेमेस्टर III (24 क्रेडिट), सेमेस्टर IV (24 क्रेडिट) का होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानकों के आधार पर तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम क्रेडिट प्रणाली के आधार पर है। यह चार सेमेस्टर अवधि का होगा। प्रत्येक छात्र को 96 क्रेडिट को अवश्य ही पूर्ण करना होगा। तब ही वह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को पूर्ण कर पायेगा।

मौखिक परीक्षा द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर में होगी। प्रत्येक मौखिकी 100 अंक की होगी।

प्रथम सेमेस्टर

एम.ए. (संस्कृत) प्रथम सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र होंगे। सभी प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र – 100 अंक

वेद एवं वैदिक वाङ्मय

प्रथम वर्ग

ऋग्वेद के अधोलिखित सूक्त–

विश्वेदेवा 1.89, अश्विनौ 1.116, सूर्य 1.115, मंत्रों की व्याख्या – 20 अङ्क

द्वितीय वर्ग

इन्द्र 2.12, रूद्र 2.33, विष्णु सूक्त 1.154, मंत्रों की व्याख्या – 20 अङ्क

तृतीय वर्ग

ऋग्वेद भाष्य की भूमिका – 20 अङ्क

चतुर्थ वर्ग

पदपाठ के नियम एवं वैदिक व्याकरण – 20 अङ्क

पंचम वर्ग

वैदिक साहित्य का इतिहास – 20 अङ्क

सहायक पुस्तकें

1. वेद चयनम् – पंडित विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी
2. ऋक सूक्त समुच्चय – रामकृष्ण आचार्य
3. वैदिक साहित्य और संस्कृति – पं॰ बलदेव उपाध्याय
4. वैदिक स्वर मीमांसा – युधिष्ठिर मीमांसक
5. ऋग्वेद भाष्य भूमिका – श्रीकान्त पाण्डेय

द्वितीय प्रश्नपत्र – 100 अंक

प्राचीन काव्य

प्रथम वर्ग

मेघदूतम् (कालिदास)– पूर्व मेघ (1 से 30 तक), श्लोकों की व्याख्या – 20 अङ्क

द्वितीय वर्ग

मेघदूतम् (कालिदास)– पूर्व मेघ (31 से अंत तक), श्लोकों की व्याख्या – 20 अङ्क

तृतीय वर्ग

नैषधीय चरितम् (श्री हर्ष)– (1 से 35), श्लोकों की व्याख्या – 20 अङ्क

चतुर्थ वर्ग

नैषधीय चरितम् (श्री हर्ष)– (36 से 70), श्लोकों की व्याख्या – 20 अङ्क

पंचम वर्ग

मेघदूतम् और नैषधीय चरितम् के समीक्षात्मक प्रश्न – 20 अङ्क

सहायक पुस्तकें

1. मेघदूतम् – एम.आर. काले
2. मेघदूतम् : एक पुरानी कहानी – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. संस्कृत कवि दर्शन – भोला शंकर व्यास
4. कालिदास की काव्यकला और संस्कृति – डॉ. देवी दत्त शर्मा
5. नैषध परिशीलन – डॉ. चन्द्रिका प्रसाद शुक्ल
6. कालिदास परिशीलन – डॉ. राधा वल्लभ त्रिपाठी
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ.बलदेव उपाध्याय
8. कालिदास ग्रंथावली – सीताराम चतुर्वेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज़, वाराणसी

तृतीय प्रश्नपत्र – 100 अंक

भाषा विज्ञान और व्याकरण

प्रथम वर्ग – 20 अङ्क

भाषा का स्वरूप, भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान का क्षेत्र तथा व्याकरण से उसका सम्बन्ध, भाषा परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

द्वितीय वर्ग – 20 अङ्क

भाषा का वर्गीकरण– आकृतिमूलक, पारिवारिक, भारोपीय परिवार एवं भारतीय आर्यभाषा का विकास, वाक्य विज्ञान– वाक्य रचना और प्रकार, रूप विज्ञान।

तृतीय वर्ग – 20 अङ्क

ध्वनि विज्ञान, ध्वनि वर्गीकरण के सिद्धान्त– स्वर, व्यंजन, बालाधार, ध्वनि परिवर्तन की दिशायें, कारण, अर्थविज्ञान– परिभाषा, स्वरूप, कारण और दिशायें।

चतुर्थ वर्ग – 20 अङ्क

लघु सिद्धान्त कौमुदी– तहिदत प्रत्यय

पञ्चम वर्ग – 20 अङ्क

स्त्री प्रत्यय

सहायक पुस्तकें

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्र शर्मा
3. भाषा विज्ञान – डॉ. कर्ण सिंह
4. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
5. भाषा विज्ञान – डॉ. मंगल देव शास्त्री
6. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द घिल्डियाल
7. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्री भीमसेन शास्त्री
8. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्री महेश सिंह कुशवाहा
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. रामअवध पाण्डेय

चतुर्थ प्रश्नपत्र – 100 अंक

भारतीय दर्शन - सांख्यकारिका

प्रथम वर्ग – 20 अङ्क

सांख्य कारिका (ईश्वर कृष्ण) (1 से 25 कारिका) मूल पाठ की व्याख्या

द्वितीय वर्ग – 20 अङ्क

सांख्य कारिका (ईश्वर कृष्ण) (26 से 50 कारिका) मूल पाठ की व्याख्या

तृतीय वर्ग – 20 अङ्क

सांख्य कारिका (ईश्वर कृष्ण) (51 से अंतिम कारिका) मूल पाठ की व्याख्या

चतुर्थ वर्ग – 20 अङ्क

सांख्य कारिका के समीक्षात्मक प्रश्न

पञ्चम वर्ग – 20 अङ्क

सांख्य दर्शन तथा अन्य प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्त

सहायक पुस्तकें

1. सांख्य कारिका – डॉ. आद्या प्रसाद मिश्र
2. सांख्य कारिका – श्री रमाशंकर त्रिपाठी
3. सांख्य कारिका – श्री रामकृष्ण आचार्य
4. भारतीय दर्शन – डॉ. राधाकृष्णन
5. भारतीय दर्शन – डॉ. उमेश मिश्र
6. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
7. भारतीय दर्शन – डॉ. दत्त एवं चटर्जी

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र एवं एक मौखिक परीक्षा होगी। सभी प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र – 100 अंक

वेद तथा वैदिक संस्कृति

प्रथम वर्ग – 20 अङ्क

ऋग्वेद

उजस् 3.61, बृहस्पति 4.50, पर्जन्य 5.83, मंत्रों की व्याख्या

द्वितीय वर्ग – 20 अङ्क

वरुण 7.88, सोम 9.80, अक्ष 5.83, मंत्रों की व्याख्या

तृतीय वर्ग – 20 अङ्क

निरुक्त– प्रथम अध्याय (मूल पाठ की व्याख्या)

चतुर्थ वर्ग – 20 अङ्क

वेदाङ्गों का परिचय

पञ्चम वर्ग – 20 अङ्क

वैदिक संस्कृति तथा संस्कार

सहायक पुस्तकें

1. Hymns from the Rigveda – Peter Peterson, BORI, Pune
2. Vedic Selections – A Macdonell
3. The New Vedic Selections – Telang & Choubey
4. निरूक्त – हिन्दी व्याख्या – प्रो. उमाशङ्कर शर्मा
5. निरूक्त – हिन्दी व्याख्या – आचार्य विश्वेश्वर
6. History of Vedic Literatire – C.V. Vaidya
7. History of Indian Literatire – M. Winternitz

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र – 100 अंक

वेद तथा वैदिक संस्कृति

प्रथम वर्ग – 20 अङ्क

मेघदूतम्– उत्तरमेघ (कालिदास) (1 से 25 श्लोक), श्लोकों की व्याख्या

द्वितीय वर्ग – 20 अङ्क

मेघदूतम्– उत्तरमेघ (कालिदास) (26 से अन्त तक), श्लोकों की व्याख्या

तृतीय वर्ग – 20 अङ्क

विक्रमाङ्क देव चरितम् (विल्हण) प्रथम सर्ग (1 से 25 श्लोक), श्लोकों की व्याख्या

चतुर्थ वर्ग – 20 अङ्क

विक्रमाङ्क देव चरितम् (विल्हण) प्रथम सर्ग (26 से अन्त तक), श्लोकों की व्याख्या

पञ्चम वर्ग – 20 अङ्क

मेघदूतम् तथा विक्रमाङ्क देव चरितम् के समीक्षात्मक प्रश्न

सहायक पुस्तकें

1. मेघदूतम् – एम.आर. काले
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ.बलदेव उपाध्याय
3. संस्कृत कवि दर्शन – भोला शंकर व्यास

तृतीय प्रश्नपत्र – 100 अंक

महाभाष्य तथा व्याकरण

प्रथम वर्ग – 20 अङ्क

महाभाष्यम्– पश्पशान्हिक– प्रारम्भ से सिद्धि शब्दार्थ सम्बन्ध में पूर्व गद्य की व्याख्या

द्वितीय वर्ग – 20 अङ्क

महाभाष्यम्– पश्पशान्हिक– सिद्धि शब्दार्थ सम्बन्ध प्रथम आन्हिक से अन्त तक की व्याख्या

तृतीय वर्ग – 20 अङ्क

महाभाष्य के पठितांशों के समीक्षात्मक अंशों की व्याख्या

चतुर्थ वर्ग – 20 अङ्क

लघु सिद्धान्त कौमुदी– कृदन्त सूत्रों की व्याख्या

पञ्चम वर्ग – 20 अङ्क

लघु सिद्धान्त कौमुदी– कृदन्त की सिद्धि

सहायक पुस्तकें

1. महाभाष्यम् (नवान्हिकम्) – पं. युधिष्ठिर मीमांसक
2. महाभाष्यम् (पस्पशान्हिकम्) – पं. मधुसूदन प्रसाद मिश्र
3. महाभाष्यम् (पस्पशान्हिकम्) – डॉ. राजकिशोरमणि त्रिपाठी
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्री भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्री घरानन्द घिल्डियाल

चतुर्थ प्रश्नपत्र – 100 अंक

भारतीय दर्शन

प्रथम वर्ग – 20 अङ्क

तर्कभाषा (केशव मिश्र) प्रारम्भ से अनुमान प्रमाण तक, मूल पाठ की व्याख्या

द्वितीय वर्ग – 20 अङ्क

तर्कभाषा (केशव मिश्र) उपमान प्रमाण से प्रमाण्यवाद पर्यन्त, मूल पाठ की व्याख्या

तृतीय वर्ग – 20 अङ्क

वेदान्त सार (सदानन्द), मूल पाठ की व्याख्या

चतुर्थ वर्ग – 20 अङ्क

वेदान्त सार के समीक्षात्मक प्रश्न

पञ्चम वर्ग – 20 अङ्क

आस्तिक तथा नास्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय

सहायक पुस्तकें

1. तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री
2. तर्कभाषा – श्री बद्रीनाथ शुक्ल
3. वेदान्त सार – डॉ. सत्यनारायण श्रीवास्तव
4. वेदान्त सार – डॉ. राममूर्ति शर्मा
5. भारतीय दर्शन – दत्ता एवं चटर्जी

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र - (निबन्ध तथा महाभाष्य)

100 अंक

- निबन्ध — 60 अंक
- महाभाष्य (पतंञ्जलि) प्रथम तथा द्वितीय आह्निक — 40 अंक

सहायक पुस्तकें -

1. संस्कृत निबन्ध शतकम् – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
2. प्रबन्ध रत्नाकर – डॉ॰ रमेशचन्द्र शुक्ल
3. संस्कृत निबन्ध मंदाकिनी – डॉ॰ आद्या प्रसाद मिश्र
4. संस्कृत निबन्धांजलि – श्री रामकृष्ण आचार्य
5. महाभाष्यम् (आह्निक द्वयम) – विशन लाल गौड़
6. महाभाष्यम् (पश्पशाह्निक) – राजकिशोरमणि त्रिपाठी

(डॉ० विनीता सिंह) कुसुमलता Dr. Sapna Bharti डॉ० संगीता गोयल

तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र - (गद्य एवं पुराणेतिहास)

100 अंक

- कादम्बरी कथामुखम् बाणभट्ट — 60 अंक

कादम्बरी हिन्दी व्याख्या

समीक्षात्मक प्रश्न

- रामायण, महाभारत तथा पुराणो से समीक्षात्मक परिचयात्मक प्रश्न — 40 अंक

सहायक पुस्तकें -

1. बाणभट्ट : एक अध्ययन – डॉ॰ अमरनाथ पाण्डेय
2. कादम्बरी का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ॰ वासुदेव शरण अग्रवाल
3. संस्कृत सुकवि समीक्षा – आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ॰ कपिल देव द्विवेदी
5. संस्कृत कवि दर्शन – भोलाशंकर व्यास
6. संस्कृत साहित्य का विशद इतिहास – पुष्पा गुप्ता
7- Ramayana Tradition is Asia – V. Raghavan
8- The Mahabharat : As it was, is and never shall be : A critic study – P. N. Mullic
9. आदि कवि वाल्मीकि – राधा वल्लभ त्रिपाठी
10. इतिहास पुराण का अनुशीलन – रामशंकर भट्टाचार्य

तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र - (नाट्य शास्त्र)

100 अंक

- दशरन्पकम् (सम्पूर्ण) धनञ्जय

हिन्दी व्याख्या	60 अंक
समीक्षात्मक प्रश्न	40 अंक

सहायक पुस्तकें -

1- Sanskrit Theory of Drama & Dramaturgy – T. G. Manikar

2- Sanskrit Drama – A. B. Keith

3. दशरूपकम् – डॉ॰ निवास शास्त्री

4. धनंजय विरचित दशरूपकम् – बैजनाथ पांडे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र - (काव्यशास्त्र)

100 अंक

- **काव्यप्रकाश (मम्मर)** — 60 अंक

प्रथम से पंचम उल्लास

सप्तम उल्लास् (केवल रसदोष) — 20 अंक

अष्टम उल्लास — 20 अंक

सहायक पुस्तकें -

1. काव्यप्रकाश (वामनी टीका) – झलकीकर टीका
2. काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर
3. काव्य प्रकाश – श्री निवास शास्त्री
4. काव्य प्रकाश – श्री गौरी नाथ शास्त्री

तृतीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र - (शोध परियोजना)

100 अंक

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र - (व्याकरण)

100 अंक

- कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी से) — 60 अंक
- तिङ॰न्त प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी से निम्नलिखित धातुएं) — 20 अंक

  भ्वादिगण – भू, एघ्, आददिगण–अद्हन्

  जुहोत्यादिगण – हु, डुदात्र, दिवादिगण – दिव्

  स्वादिगण – षुत्र्, रुधादिगण – रुधिर्

  तनादिगण – तन्, क्रयादिगण – डुकृम्, ग्रह्

  चुरादिगण – चुर्।
- अधोलिखित प्रक्रिया में पयन्त प्रक्रिया, सन्नन्त प्रक्रिया, यङ॰न्त प्रक्रिया, नामधातु प्रक्रिया, लकारार्थ प्रक्रिया, आत्मनेपद प्रक्रिया, परस्मैपद प्रक्रिया

सहायक पुस्तकें -

1. कारकप्रकरणम् – पं॰ आद्याप्रसाद मिश्र
2. कारक प्रकरणम् – पं॰ राजकिशोर मणि त्रिपाठी
3. सिद्धान्त कौमुदी–कारक प्रकरणम् – दिनेश चन्द्रगुहा
4. एम॰ए॰ संस्कृत व्याकरण – श्री निवास शास्त्री
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – भीमसेन शास्त्री
6. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानन्द घिल्डियाल

(डॉ॰ विनीता सिंह) डॉ॰ कुमुदलता Dr. Sapna Bhatt डॉ॰ संगीता गोयल (V.K. Pandey)

चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र - (गद्य एवं चम्पू)

100 अंक

- **दशकुमार चरितम् (विन्नुत चरितम्) दण्डी**

हिन्दी व्याख्या	30 अंक
समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक

- **नलचम्पू (प्रथमोच्छवास) त्रिविक्रय भट्ट**

हिन्दी व्याख्या	30 अंक
समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक

सहायक पुस्तकें -

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – कपिल देव द्विवेदी
3. संस्कृत साहित्य का विशद इतिहास – पुष्पा गुप्ता
4. चम्पू काव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन – छविनाथ त्रिपाठी
5- The Dashkumarcharit of Dandin – By M. R. Rale
6. दशकुमार चरित – चौखम्भा प्रकाशन
7. नलचम्पू – चौखम्भा प्रकाशन
8. नलचम्पू – पं॰ परमेश्वरदीन पाण्डेय

चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र - (गद्य एवं चम्पू)

100 अंक

- उत्तररामचरितम् (भवभूति)

  हिन्दी व्याख्या

  समीक्षात्मक प्रश्न

- मृच्छकटिकम् (शूद्रक)

  हिन्दी व्याख्या

  समीक्षात्मक प्रश्न

- रत्नावली नाटिका महाकवि श्री हर्ष प्रणीता

  हिन्दी व्याख्या

  समीक्षात्मक प्रश्न

सहायक पुस्तकें -

1. भवभूति और उनका उत्तररामचरित – परिमल पब्लिकेशन
2. उत्तररामचरितम् – चौखम्बा प्रकाशन
3. महाकविशूद्रक – रमाशंक तिवारी
4. मृच्छकटिकम् – शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनैतिक अध्ययन–शालिग्राम द्विवेदी
5. रत्नावली नाटिका – चुन्नीलाल शुक्ल
6. रत्नावली नाटिका – शिवबालक द्विवेदी
7. संस्कृत नाटिकाओं का नाट्यशास्त्रीय अध्ययन – प्रमिला कुमारी

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र - (काव्यशास्त्र)

100 अंक

- काव्यप्रकाश (मम्मा) नवम दशम उल्लास से आद्योलिखित अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, वक्रोक्ति उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपन्हुति, निदर्शना 60 अंक
- अर्थान्तरन्यास, द्वष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, संसृष्टि तथा संकर, काव्यलिंग, अतिश्योक्ति (आनन्द वर्धन)
- ध्वन्यालोक – प्रथम उधोत

हिन्दी व्याख्या 20 अंक

समीक्षात्मक प्रश्न 20 अंक

सहायक पुस्तकें -

1. काव्य प्रकाश (वामनीतीका) – झलकीकर
2. काव्य प्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर
3. काव्य प्रकाश – श्री निवास शास्त्री
4. काव्य प्रकाश – गौरीनाथ शास्त्री
5. ध्वन्यालोक – चौरतम्बासुरभारती प्रकाशन (वाराणसी)

(डा० विनीता सिंह) डा० कुसुमलता Dr Sapna Bhar... डा० संगीता गोयल (V.K. ...) डा० ...

चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र - (मौखिकी परीक्षा)

100 अंक